an>

Title: Issue regarding drought situation in Bihar.

श्री राम कृपाल यादव (पाटलीपुत्र) : सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय कृषि मंत्री, जो सौभाग्य से हमारे प्रदेश से ही आये हैं और आज शून्यकाल में यहां उपस्थित भी हैं, मैं इनका ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं।

बिहार राज्य कम बारिश की वजह से भयानक सूखे के संकट से गुजर रहा है। पूरे बिहार के 38 जिलों में से लगभग 22 जिलों में सूखे की स्थिति उत्पन्न हो गई है। इसमें खास तौर पर जो हमारा संसदीय क्षेत्र पटना है, अरवल, औरंगाबाद, भभुंआ, बक्सर, भोजपुर, अररिया, पूर्वी चम्पारण, गोपालगंज, कटिहार, मधेपुरा, मुजफ्फरपुर, पूर्णिया, रोहताश, सहरसा, सारण, सीतामढ़ी, सिवान और वैशाली सहित कई जिले शामिल हैं। महोदय, 4-5 जिलों को छोड़कर पूरे बिहार में स्थिति बहुत ही भयानक है। वहां पर 89 परसेंट लोग खेत और खलिहान पर निर्भर करते हैं। वहां लोग कृषि से जीविकोपार्जन करते हैं। आज वहां की व्यवस्था बिल्कुल चौपट हो गई है।

पिछली दफा भी दुर्भाग्य से कम बारिश होने की वजह से 38 में से 33 जिलों में सूखा पड़ गया था। वहां आज भी स्थिति बहुत खराब है। यहां तक कि कई ऐसी नहरें हैं, एक बाणसागर नहर है, जिसमें मध्य प्रदेश की सोन नदी से पानी आता है। मध्य प्रदेश की सरकार ने उसमें पानी बन्द रखा, इसकी वजह से भी हमारे क्षेत्र में पानी की बहुत कमी हो रही है। वहां एक तो सिंचाई की प्रोपर व्यवस्था नहीं है, बिहार भगवान भरोसे चल रहा है, मगर आपको जानकर आश्चर्य होगा, चूंकि आप खेत-खलिहान से आने वाले लोग हैं कि वहां पर मात्र अभी तक रोपनी जो हुई है, वह मात्र 30 प्रतिशत रोपनी हुई है, जो बहुत भयानक स्थिति है। किसान ने जो बिजाई कर दी थी, वह समूची सूख गई है। हालत बहुत गम्भीर है। वहां अभी तक सामुदायिक नर्सरी नहीं लगाई गई है। ...(व्यवधान) यह बहुत महत्वपूर्ण सबजैक्ट है, मुझे बोलने दीजिए, प्लीज़ कोऑपरेट कीजिए। ...(व्यवधान) मैं सिर्फ आपको बता रहा हूं। मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूं कि वहां की सरकार इसकी अनदेखी कर रही है। अभी तक सूखे की स्थिति की जानकारी केन्द्र सरकार के माननीय कृषि मंत्री जी को नहीं दी गई है, जबकि दो दिन पहले केन्द्रीय मंत्री वहां गये थे। मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से निवेदन करना चाहता हूं कि आप बिहार को राज्य के भरोसे मत छोड़िये, आप अपनी स्पेशल टीम वहां भेजिये और बिहार में टीम भेजकर आकलन करके वहां के किसानों को लाभ पहुंचाने का काम कीजिए, अन्यथा बिहार इस बार बहुत ही परेशानी से गुजरेगा और वहां भुखमरी की स्थिति हो जायेगी।